असमिन् पशपते 51 पशा: एवं 11 मुदित पृषा: सनत।

इस पश-पत में 51 पश तथा 11 मुदित पृष है।

अनुकमाङ्क:
रोल नं.

गूढसं□या. 71/SS/347
कोड नं.

सवक/सेट - A

भारतीयदर शनम्

भारतीय दर शन

(347)

परीकादिवस: दिनाङ्कश :

(परीका का दिन व दिनांक) ______________________

निरीककयो: हसाकरम्

(निरीकको के हसाकर)

1. ______________________

2. ______________________

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

सामान्या निदेर ा: -

1. अनुकमाङ्क: पशपतस्य पथमे पृषे नूनं लेख्य: ।
2. निरीककात् पूर्वं पूर्वं यत् पशपतस्य पृषसंख्या पशानां संख्या च पथमे पृषस्य पारमे पदतसंख्या समाना न वा। पशकमः सम्यग् न वा ।
3. वस्तुनिषपशानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकलपेषु युक्तम् उतरं चितवा उतरपते लेख्यम् ।
4. सर्वेषां पशानाम् उतराणि निरदिषतसथाने एव लेख्यानि ।
5. उतरपते आति पररचयातकं लेखनम् अथवा निरदिषसथानं विहाय अनयत कुतापि अनुकमाङ्कलेखनं सवथा वरजतम् असत ।
6. सवस्य उतरपते पशपतस्य गूढसंख्या 71/SS/347, **सवक** - A नूनं लेख्या ।
7. सर्वेषां पशानाम् उतराणि संस्कृतभाषया एवं लेख्यानि ।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

सामान्य निर्देश : -

1. पश-पत के पहले पृष पर अपना अनुकै ांक अवश्य लिखे ।

2. पश-पत को जाच ले कि पश–पत के कुल पृषो तथा पशो की उतनी ही संख्या है जितनी पथै पृष के पारम ै ` छपी है और पश कमै क र पै ` है ।

3. वस्तुनिष पशों ` चार विकल्पो (क), (ख), (ग) तथा (घ)ै ` से सही उतर चुनकर उतर-पतै ` लिखना है ।

4. सभी पशो के उतर निर ास्त सै यै ` ही लिखना है ।

5. उतर-पतै ` पहचान-चिह बनाने अथवा निर्दिष्ट स ानो के अतिरिक्त कही भी लिखना सवथा वर्जित है ।

6. अपने उतर-पतै ` पश-पत का कोड नं. **71/SS/347,** सेट - **A** अवश्य लिखे ।

7. सभी पशो के उतर संस्कृत भाषाै ` ही लिखे ।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

NOTE / निर्देश :

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.

सभी पशो के उतर आपको दी गई उतर-पुस्तिकाै ` ही लिखे।

(2) **15** minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at **2.15** p.m. From **2.15** p.m. to **2.30** p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the Answer-Book during this period.

इस पश-पत को पढ़ने के लिए **15** मि नट का सै य दिया गया है। पश-पत का वितरण दोपहरै ` **2.15** बजे किया जाएगा। **2.15** बजे से **2.30** बजे तक छात केवल पश-पत को पढ़ेगे और इस अवधि के दौरान वे उतर-पुस्तिका पर कोई उतर नही लिखेगे।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

भारतीयदर श्नम्

भारतीय दर श्न

(347)

परीकासमयावधि: - होरात्रयम्] **[पूर ाङ्का: - : 100**

परीका का समय : तीन घंटे] **[पूर ाङ्का : 100**

नदेर ा: :

नदेर :

1. अस्मि न् पशपत्रे **[A]** भागे **20, [B]** भागे **15, [C]** भागे **6, [D]** भागे **6, [E]** भागे **4** इत्त आहत्य **51** पशा: सन्त ।

   इस पश-पत्र मे **[A]** भाग मे **20, [B]** भाग मे **15, [C]** भाग मे **6, [D]** भाग मे **6, [E]** भाग मे **4,** कुल मिलाकर **51** पश शामिल है ।

2. **सवे** पशा: **अन्नवाया:श्**

   सभी पश **अन्नवायश्है** ।

3. पशस्य दण भे पार े संख्यासु (अङ्का: x पशा: = पूषाङ्का:) इत्त एवं अङ्कान् नदर्शन्त ।

   पश के दाहनी ओर की संख्या (अङ्क x पशा = पूषाङ्क) अंक को सूचत करती है ।

4. **A** भागे प.सं. **1** त: **20** पयन्तं वस्तुनाष/बहन्नकल्पपकारस्य पशो **(MCQs)** येषु पत्येकं एक: अङ्क: भवन्त । एतेषु पत्येकस्म न् पशे दत चतुषा न्नकल्पानां ध्ये सवार्धकं उपयुक्तं न्नकल्पं चत्वा न्नखतु ।

   भाग **A** मे प.सं. **1** से **20** तक वस्तुनाष/बहन्नकल्पीय पकार के पश **(MCQs)** है, पत्येक एक अंक का है । इनमे से पत्येक पश मे दए गए चार न्नकल्पों मे से सबसे उपयुक्त न्नकल्प चुने और न्नखे ।

5. **B** भागे प.सं. **21** त: **35** पयन्तं वस्तुनाषपशा:/मेलनं, रक्तस ानान, सत्यं-असत्यं इत्याद । पत्येकं पश: अङ्कदयात क: अस्त । ते यथान्नदेशं सै रेया: ।

   भाग **B** मे पश **21** से **35** तक वस्तुनाष पश/मेलान, रक्त स ान, सत्य-असत्य आद है । पत्येक पश दो अंक का है । उनके न्नदेशानुसार उतर दे ।

6. **C** भागे प.सं. **36** त: **41** पयन्तं अन्तलघूतरीया: पशा: पत्येकं अङ्कदयात क: सन्त । ते यथान्नदेशं **30** त: **50** शब्दानां परस्मे ध्ये सै रेया: ।

   भाग **C** मे पश संखा **36** से **41** तक पत्येक दो-दो अंक का अन्त लघु उतरीय पश है । न्नदेशानुसार उनके **30** से **50** शब्दो की सी मे उतर दे ।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

7. D भागे प.सं. 42 त: 47 पयन्तै ्अनन्तदीघोतरीया: पशा: पत्येकै ् अड्कतयातै का: सन्न्त । ते यथान्नदेशं 50 त: 80 शब्दानां पररमै धेये सै ारेया: ।

भाग Dै ` पश संखा 42 से 47 तक पत्येक तीन अंक के लघु उतरीय पश है । न्नदेशानुसार उनके 50 से 80 शब्दो की सी ा ` उतर दे ।

8. E भागे प.सं. 48 त: 51 पयन्तै ्दीघोतरीया: पशा: पत्येकै ् प चाड्कातै का: सन्न्त । ते यथान्नदेशं 80 त: 100 शब्दानां पररमै धेये सै ारेया: ।

भाग Eै ` पश संखा 48 से 51 तक पत्येक पाच अंक के दीघाउतरीय पश है । न्नदेशानुसार उनके 80 से 100 शब्दो की सी ा ` उतर

दे ।

9. सै `षां पशानौ ्उतराण्न संस्कृतभाषया एव लेख्यान्न ।

सभी पशो के उतर संस्कृतै ` ही न्नखे जाने चान्नहए ।

10. स्वस्य उतरपते पशपतस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या ।

अपनी उतर-पुस्न्तका पर पश-पत का गुप्त कै ांक अवश्य न्नखे।

11. उतरपते आतै पररचयातै कं लेखनै ्अथवा न्नन्दष्टस ानं न्नहाय अत्यत क्वान्न अनुकै ाड्कलेखनं सवथा वन्नजतै स्नत ।

उतर-पुस्न्तका पर स्व-पहचान न्नखना या न्नर ान्नरत स ान को छोड़कर कही भी अनुकै ांक न्नखना सख्त वन्नजत है ।

12. सै `षां पशानौ ्उतराण्न न्नर ान्नरतसै ये एव लेख्यान्न ।

सभी पशो के उतर न्नर ान्नरत सै य के अंदर न्नखने होगे ।

13. न्नरीक्ष्यतौ ्यत् पशपतस्य पुटसंख्या पशानां च संख्या पथै पुटस्य पारम` पदतसंख्या सै ाना न वा । पशकै : सम्यग् न वा ।

जाचे न्नक क्या पश-पत की पत संख्या और पशो की संख्या पथै पत की शुरआतै ` दी गई संख्या के सै ान है या नही । पश कै सही है या नही ।

14. अनुकै ाड्क: पशपतस्य पथै पुटे नूनं लेख्य: ।

पश पत के पथै पतै ` अनुकै ांक अवश्य न्नखे ।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

A. पशसंख्या 1-20 बहन्मकल्पपशा: सन्त्त येषां कृते 20 अङ्का: आवप्पटता: भवन्त्त – **1x20=20**
पश के ांक 1-20 बहन्मकल्पीय पश है ज्ञानके न्मए 20 अंक न्मर ाप्स्त है :

1. सत्कायप्पाद: कै अङ्गीन्क्रयते ? **1**

(क)	बौदै :	(ख)	सांख्यै:
(ग)	नैयाम्पकै	(घ)	अदैतवेदान्त्तण्भ:

सत्कायप्पाद न्कनका कहलाता है ?

(क)	बौद ो का	(ख)	सांख्यो का
(ग)	नैयाम्पको का	(घ)	अदैतवेदान्त्तयो का

2. पोडशको गष : कमै दत्पद ते ? **1**

(क) पकृते: (ख) ॅ हत त्वात् (ग) अहङ्कारात् (घ) पुर षात्

पोडश गष न्कससे उत्पन होते है ?

(क) पकृन्त से (ख) ॅ हत् तत्व से (ग) अहङ्कार से (घ) पुर ष से

3. अतत्वतोऽत्यथा पथा __________। **1**

(क) न्मकार: (ख) पस्र्षौ : (ग) न्मवता (घ) संम्कार:

अतत्वतोऽत्यथा पथा __________।

(क) न्मकार (ख) पस्र्षौ (ग) न्मवता (घ) संम्कार

4. 'पवत्तो वम्हैा न् रै ू ान्' इत्यत अनु ानस ले कम्य पत्य□ त्वै ्। **1**

(क) पवत्तम्य (ख) वम्ह न: (ग) रै ू म्य (घ) ॅ हानसम्य

पवत्त वम्हैान है र ुएाके कारष इस पकार के अनु ान स लै ॅ न्कसका पत्य□ होता है ?

(क) पवत्त का (ख) वम्ह का (ग) र ुएाका (घ) ॅ हानस का

5. क: तैकान्त्मकाभाव: ? **1**

(क) पागभाव: (ख) पध्वंसाभाव: (ग) अत्यन्त्ताभाव: (घ) अत्योत्याभाव

तैकान्त्मक अभाव न्कसे कहते है ?

(क) पागभाव (ख) पध्वंसाभाव (ग) अत्यन्त्ताभाव (घ) अत्योत्याभाव

6. वेदातौ ते कन्त पै ाष ान्म सन्त्त ? **1**

(क) तीष्य (ख) चत्पारर (ग) प□च (घ) षट्

वेदातौ तै ॅ न्कतने पै ाष होते है ?

(क) तीन (ख) चार (ग) पाच (घ) छह

7. सुखाद्धजाने न्कै ाख्या वृप्ता: ? **1**

(क) न्मद ावृप्ता: (ख) अन्मद ावृप्ता: (ग) न्मात वृप्ता: (घ) न्मषयवृप्ता:

सुखाद्ध के जानै ॅ वृप्ता क्या कहलाती है ?

(क) न्मद ावृप्ता (ख) अन्मद ावृप्ता (ग) न्मात वृप्ता (घ) न्मषयवृप्ता

8. अयै नुबन ॅषु अत्यतै :। **1**

(क) शै : (ख) न्मवेक: (ग) पयोजनै ् (घ) वैराग्यै ्

इन अनुबन ोै ॅ सबसे अत्यतै क्या है ?

(क) शै : (ख) न्मवेक (ग) पयोजन (घ) वैराग्य

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

9. ''नासतो न्मद ते भावो नाभावो न्मद ते सत्'' इन्त वाक्यं कुतास्मत ? **1**

(क) वेदान्तसारः (ख) सांख्यकाररका (ग) शी द गदीता (घ) ईशोपन्मषत्

''नासतो न्मद ते भावो नाभावो न्मद ते सतः'' यह वाक्य कहा से उद्ृत है ?

(क) वेदान्तसार (ख) सांख्याकाररका (ग) शी द गवदीता (घ) ईशोपन्मषद्

10. कै हेतुः कः भवन्त ? **1**

(क) शरीरै (ख) कौ : (ग) पारबै (घ) स□चतै

कै ाका हेतु क्या होता है ?

(क) शरीर (ख) कौ (ग) पारब (घ) स□चत

11. कः परै पुरषाथा ? **1**

(क) रै ा (ख) अथा (ग) कौ : (घ) ै ो□:

परै पुरषाथाक्या होता है ?

(क) रै ा (ख) अथा (ग) कौ (घ) ै ो□

12. अदैतवेदान्तै ते ईर रः जगतः न्कै ? **1**

(क) उपादानकारषै (ख) न्नमै तकारषै

(ग) अण्मनन्नमै तकारषै (घ) न्कै न्म न

अदैतवेदान्त केै तै े ईर र जगत का है ?

(क) उपादानकारष (ख) न्नमै तकारष

(ग) अण्मनन्नमै तकारष (घ) कुछ भी नही

13. कम्यौ उपन्मषद्द तेजःपै ख़ा सूक्ष्मः पन्नपाद ते ? **1**

(क) तैतरीयोपन्मषद्द (ख) छान्द्रोग्योपन्मषद्द

(ग) बृहदारटयकोपन्मषद्द (घ) कठोपन्मषद्द

न्कस उपन्मषदै े तेज पै खो की सूक्ष्म पन्नपाद्दत की गई है ?

(क) तैतरीयोपन्मषद्ै े (ख) छान्द्रोग्योपन्मषद्ै े

(ग) बृहदारटयकोपन्मषद्ै े (घ) कठोपन्मषद्ै े

14. पाभाकरै ी ांसका न्ह कीदशी ? **1**

(क) आतै ख्यान्तवादी (ख) असतख्यान्तवादी (ग) अख्यान्तवादी (घ) अत्मथाख्यान्तवादी

पाभाकरै ी ांसक न्ह क्या कहलाते है ?

(क) आतै ख्यान्तवादी (ख) असतख्यान्तवादी (ग) अख्यान्तवादी (घ) अत्मथाख्यान्तवादी

15. अजानावरषनाशम्य कारषं न्कै ? **1**

(क) बह जानै (ख) उपासना (ग) न्नत्याद्दकै ाण्म (घ) काम्याद्दकै ाण्म

अजानावरषे के नाश का क्या कारष है ?

(क) बह जान (ख) उपासना (ग) न्नत्याद्दकै ाण्म (घ) काम्याद्दकै ाण्म

16. सूक्ष्मन्मचारपसङे अदैतवेदन्तनां कः त्मायः पत्मद : ? **1**

(क) तृषारण्मौ ण्मा त्मायः (ख) शाखाचन्द्र सत्मायः

(ग) अध्मारोपापवादत्मायः (घ) न्मलतटडुलत्मायः

सूक्ष्म के न्मचार पसङै े अदैतवेदान्तयो का कौन सा त्माय पत्मद है ?

(क) तृषारण्मौ ाण्मा त्मायः (ख) शाखाचन्द्र सत्मायः

(ग) अध्मारोपापवादत्मायः (घ) न्मलतटडुलत्मायः

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

17. उपपत्तिः कस्यान्तर्भवति ? 1

(क) अनुबन्धेषु (ख) सारनचतुष्टये

(ग) शौ द्धषट्कसंपत्तौ (घ) तात्पर्यनिर्णायकलिङ्गेषु

उपपत्ति किसके अन्तर्गत होती है ?

(क) अनुबन्धो के (ख) सारनचतुष्टय के

(ग) शौ द्धषट्कसम्पत्ति में (घ) तात्पर्यनिर्णायकलिङ्गों में

18. चित्तस्य लमस्य नाशकं किम् ? 1

(क) शवषे (ख) मनने (ग) निदिध्यासने (घ) निष्काम कर्मयोगः

चित्त के मल का नाशक क्या होता है ?

(क) शवष (ख) मनन (ग) निदिध्यासन (घ) निष्काम कर्मयोग

19. चैतन्याभाव का वृत्तिः कतिविधा ? 1

(क) त्रय (ख) चत्वार (ग) पञ्च (घ) षट्

कितने पकार की वृत्ति याचेतना को व्यक्त करती है ?

(क) तीन (ख) चार (ग) पाच (घ) छह

20. विवेकानन्दस्य बाल्यकाले किं नाम आसीत् : 1

(क) देवेन्द्रनाथः (ख) नरेन्द्रनाथः (ग) रामकृष्णः (घ) स्वामिनवानन्दः

विवेकानन्द का बाल्यकाल में क्या नाम था ?

(क) देवेन्द्रनाथ (ख) नरेन्द्रनाथ (ग) रामकृष्ण (घ) स्वामिनवानन्द

B. पशसंख्या 21-35 वस्तुनिष्ठपशाः सन्ति। पत्येकं पशं दयोः अङ्कयोः भवन्ति, तदथा30 अङ्काः आवण्टिताः भवन्ति। 2x15=30

पश संख्या 21-35 वस्तुनिष्ठ पश है। पत्येक पश दो अंक का है और इसके लिए 30 अंक निर्धारित है :

अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु उत्तरं ददातु।

नीचे दिए गए रिक्त स्थानो का उत्तर दीजिए।

21. काम्यं ___________ नित्यं ___________ पायश्चित्त इत्येवं पञ्चविधानि कर्माणि पथन्ते। 2

काम्य ___________ नित्यं ___________ पायश्चित्त इस पकार से पाच पकार के कर्म माने जाते है।

22. अद्वैतवादिना सत्तात्रयं ___________, व्यावहारिकी तथा ___________ सत्ता। 2

अद्वैतवेदान्तियो का सत्तात्रय ___________, व्यवहारिकी तथा ___________ सत्ता है।

23. सामान्यः द्विविधः ___________ तथा___________ चेति। 2

सामान्य दो पकार की होती है ___________ तथा ___________।

24. शुतार्थापत्तेः दो भेदौ स्तः। ___________, ___________ चेति। 2

शुतार्थापत्ति के दो भेद होते है ___________ तथा ___________।

25. शोतः, ___________, चक्षु ___________ घ्राणाख्यानि पञ्च ज्ञानेन्द्रियाणि। 2

शोत, ___________ चक्षु ___________ घ्राणाख्य पाच ज्ञानेन्द्रिया है।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

26. अर ोिलखतेषु वाक्येषु सत्यै ् असत्यं च वाक्यं चातोनु। **2**

(क) सांख्यानये तयोदश करष ान सन्त। सत्यै ्/असत्यै ्

(ख) पुर षसम ार ानात् पकृतेः गुष तयवैषम्यं जायते। सत्यै ्/असत्यै ्

नीचे दिए गए वाक्यों ` से सत्य और असत्य कथन चुने।

(क) सांख्यशास्त ` तेरह कारष बताए गये है। सत्य / असत्य

(ख) पुर ष की समाम से पकृा के तीनो गुषों ` म्यषै ता आ जाती है। सत्य / असत्य

27. अर ोिलखतेषु वाक्येषु सत्यै ् असत्यै ् वाक्यं चानोतु। **2**

(क) सजातीयोच ारष ानपे ोच ारष न्यषयः पौर षेयः। सत्यै ्/ असत्यै ्

(ख) तरन्त शोकै ति न्यत् शुन्तः। सत्यै ्/ असत्यै ्

नीचे दिए गए वाक्यों ` से सत्य और असत्य कथन चुने।

(क) सजातीय उच ारष अनपे उच ारष न्यषय पौर षेय होता है। सत्य/असत्य

(ख) तरन्त शोकै ति न्यत् शुन्त। सत्य/असत्य

28. अर ोिलखतेषु वाक्येषु सत्यै ् असत्यै ् च चानोतु। **2**

(क) सङ्कल्पन्यकल्पापै क अन्तः करष वृप्ता ः नः। सत्यै ्/ असत्यै ्

(ख) न ायापै क अन्तःकरष वृप्ता ः बुज्ज ः। सत्यै ्/ असत्यै ्

नीचे दिए गए वाक्यों ` से सत्य और असत्य कथनो का चयन करे।

(क) ै न सङ्कल्प न्यकल्पापै का अन्तःकरष की पवृप्ता होती है। सत्य / असत्य

(ख) बुज्ज न ायापै का अन्तःकरष की पवृप्ता होती है। सत्य / असत्य

29. अर ोिलखतेषु वाक्येषु सत्यै ् असत्यै ् च वाक्यं चानोतु। **2**

(क) घटादिन्यषयाव नं चैततं न्ह पै ाष चैतत्यै ्। सत्यै ्/ असत्यै ्

(ख) एकसा न् र र म सम्यन ातम्य आरोपो न्ह सम्यन ाध्यासः। सत्यै ्/ असत्यै ्

नीचे दिए गए वाक्यों ` से सत्य और असत्य कथन चुने।

(क) घटादिन्यषयाव न चैतत्या ही पै ाष चैतत्य होता है। सत्य / असत्य

(ख) एक र ो ` ही सम्यन ात का आरोप ही सम्यन ाध्यास होता है। सत्य / असत्य

30. अर ोिलखतेषु वाक्येषु सत्यै ्/असत्यै ् च वाक्यं चानोतु। **2**

(क) सृज्यै ानपाप्ता र ापे ा न्यषै ा सृप्ताः। सत्यै ्/ असत्यै ्

(ख) कारष व न्तरेकेष कायाप्याभावः भवन्त। सत्यै ्/ असत्यै ्

नीचे दिए गए वाक्यों ` से सत्य और असत्य कथन चुने।

(क) सृज्यै ानपाप्ता र ाकी अपे ा के कारष न्यषै सृप्ता होती है। सत्य / असत्य

(ख) कारष व न्तरेक से कायाका अभाव है। सत्य / असत्य

31. `लनं कुर – **2**

(क) ज्ञानम्य आवरषं क. अज्ञानै ्

ख. कै ा ्

(ख) चातन्य पम्य शै कं ग. बह ज्ञानै ्

घ. उपासना

ैच का मै लान करे –

(क) ज्ञान का आवरष क. अज्ञान

ख. कै ा

(ख) चात न्य प का शै क ग. बह ज्ञान

घ. उपासन

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

32. ेलनं कुर – **2**

(क)	अभावः	क.	न्दन्नर :
		ख.	चतुखर्[illegible]ः
(ख)	अथाप्रप्त	ग.	न्दन्नर :
		घ.	न्तन्नर :

ैच का ैम लान करे –

(क)	अभाव	क.	दो पकार
		ख.	चार पकार
(ख)	अथाप्रप्त	ग.	दो पकार
		घ.	तीन पकार

33. ेलनं कुर – **2**

(क)	नैम प्ताकं कै ।	क.	ज्योन्तषौ :
		ख.	जातेषयाद्दकै ॣ
(ख)	पायप[illegible]तकै ।	ग.	चात[illegible]याष ादीन्त
		घ.	सनयावद्दनाद्द

ैच का ैम लान करे –

(क)	नैम प्ताक कै ।	क.	ज्योन्तषौ
		ख.	जातेषयाद्दकै ॣ
(ख)	पायप[illegible]तकै ।	ग.	चत[illegible]ायष ादीन्त
		घ.	सनयावद्दनाद्द

34. ेलनं कुर – **2**

(क)	सतः असत् जायते	क.	नैयाम्प्रकाः
		ख.	बौद ाः
(ख)	सतः सत् जायते	ग.	अदैतवेदान्त्तनः
		घ.	सांख्याः

ैच का ैम लान करे –

(क)	सतः असत् जायते	क.	नैयाम्प्रक
		ख.	बौद ा
(ख)	सतः सत् जायते	ग.	अदैत वेदात्ती
		घ.	सांख्या

35. ेलनं कुर – **2**

(क)	न्त[illegible]याकारा अन्तःकरष वृप्ता :	क.	बुज्द :
		ख.	च्मतै ॣ
(ख)	संशयाकारा अन्तःकरष वृप्ता :	ग.	न्मवेकः
		घ.	ै नः

ैच का ैम लान करे –

(क)	न्त[illegible]य आकार अन्तःकरष की वृप्ता	क.	बुज्द
		ख.	च्मतै ॣ
(ख)	संश्याकार अन्तःकरष की वृप्ता	ग.	न्मवेक
		घ.	ै न

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

C.	षट् पशानां यथानिदेशै ्लघून्ति उतराष्ण लिखत। निदेशानुसार छह पशो के संपि्त उतर लिखे।	**2x6=12**
36.	आकाङ्॒ा निर पं निकै ्? आसपिा निर पं निकै ्? आकाङ्॒ा निकसे कहते है ? आसपिा निकसे कहते है ? **अथवा** पाषो नौ कः ? जृम ष करःवायुःकः ? पाष निकसे कहते है ? जृम ष कारष वायु कौन सी होती है ?	**2**
37.	अहङ्कारमिय ल॒षं निकै ्? प॒चततै ाताष्ण कानि ? अहङ्कार का किया ल॒ष है ? पािच तते ाताएाकौन कौन सी है ?	**2**
38.	सतिकायिवादाभ्युपगै ेप॒चै ो हेतुः कः ? जगतः सतियतिवे कानिमलसूतं निकै ्? सतिकायिवाद के अभ्युपगै ेेपािचवा हेतु किया है ? जगत् की सतियतानिषयक कनिमल का सूत किया है ? **अथवा** कानुैम नितः ? अनुै ान भेदान् लिखत। अनुैम नित निकसे कहते है ? अनुै ान के भेदो को लिखिए।	**2**
39.	किन॒ौ सतिै ्? अमितेयं नौ निकै ्? सतिय निकसे कहते है ? अमितेय निकसे कहते है ?	**2**
40.	को नौ नितकारः ? को नौ नितवता ? नितकार निकसे कहते है ? नितवतानिकसे कहते है ? **अथवा** सादशिय ल॒षं निकै ्? कः सादशियमिय पनितयोगी भवनित ? सादशिय का किया ल॒ष है ? कौन सादशिय का पनितयोगी होता है ?	**2**
41.	ैु॒ुः कदा गुरै ्उपसपनित ? गुर केन कारषेन नितमर वदपसनाय उपदनिशनित ? ैु॒ु कब गुर के पास जाता है ? गुर निकस कारष से नितमर वत् उपासना के लिए उपदेश देता है ?	**2**
D.	षट् पशान् अननिदीघोतरैः सै ारत। छह पशो के संपि्त उतर दीजिए।	**3x6=18**
42.	सांखियानयेै हततिवमिय परिचयः दीयतौ ्। सांखियशामित के अनुसारै हत् ततिव का परिचय दीजिए। **अथवा** नितवतवादमिय सै ासेन परिचयः पदीयतौ ्। नितवतवाद का सं॒पै े परिचय दीजिए।	**3**
43.	चैततियाषिव ा॒॒चका वृतीः निवृषुत। चैततियाषिव ा॒॒ क वृषि का वषिन कीजिए।	**3**

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

44. वेदान्तसारसमै तः अनु ानकै : पन्तसपादयत। **3**
वेदान्तसारसमै त अनु ानकै पन्तसपादन कीजाए।

अथवा

अनुमै नतौ ् आलोचयत।
अनुमै नता का आलोचन कीजाए।

45. शुताथापत्तपमार पं पन्तसपादयत। **3**
शुताथापत्तप के मार प का पन्तसपादन कीजाए।

46. शै ादद्ष्ट्कसम पत्ता नाषये सं पेष नलखत। **3**
शै ादद्ष्ट्कसम पत्ता पर सं पं ` वष न करे।

अथवा

सै ामर ल ष सं पेष नचारयत।
सै ामर का ल ष को सं पं ` नचार करे।

47. चतुनवध पलयां सं पेष पररचयः दीयतौ ्। **3**
चार पकार के पलयो का सं पं ` पररचय दीजाए।

E. चत्वारः दीघोत रैः सै ारे याः। **5x4=20**
चार पशो के दीघाउत र दीजाए।

48. वेदान्तसारे अमर कारर ल षं नकै ुक्तै ्? **5**
वेदान्तसरै ` अमर कारर का ल ष क्या बताया गया है उसका नववरष दीजाए।

अथवा

सृषेः पयोजनै ् - सांख्यै तै ापयात्य आलोचयत।
सृषा का पयोजन – सांख्यै त का आशय लेकर आलोचना कीजाए।

49. त्यायसमै त मयाथानु ानकै : वष नीयः। **5**
त्यायदशान मीकृत मयाथानु ान के कै का वष न करे।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

50. सन्तवकल्पजानै ् तथा नासवकल्पजानं पकटयत। **5**
सन्तवकल्पक जान तथा नासवकल्पक जान को पकट कीजाए।

अथवा

कै भेदान् नववृषु त।
कै भेदो का वष न कीजाए।

51. नववेकानन्ददस्य सै त्यय भावं सं पेष वष यत। **5**
नववेकानन्द के दशान` सै त्यय नकस पकार का सै त्यय था वष न कीजाए।

- o 0 o -

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279